सीजन की अव्यक्त मुरलियों का सार – होमवर्क 2015-16

"संगमयुगी श्रेष्ठ समय के महान योगी जीवन में सर्व सम्बन्धों की स्नेहपूर्ण दिल की याद और अलौकिक प्राप्तियों के नशे में रहकर रुचि से पढाई पढते, समय की समाप्ति को ध्यान में रखते, साधन और साधना के बैलेन्स द्वारा बापदादा को प्रत्यक्ष करना है"

01-14.10.2015

- सभी स्नेही बच्चों की यादप्यार बापदादा तक पहुँच रही है। बापदादा के दिल में हर बच्चा समाया हुआ है। दो आवाज आ रहे हैं - एक तो वाह बाबा वाह! दूसरा फिर बाप का आवाज है - वाह मीठे बच्चे वाह!

- बाप बच्चों को इन आंखों से देख कितने खुश हो रहे हैं - वाह बच्चे वाह! एक-एक बच्चा बाप के नयनों का नूर है। चाहे लास्ट में बैठा है लेकिन बाप के दिल में समाया हुआ है।

- भले कहाँ भी रहो लेकिन याद करने वाले बच्चों के नयनों में बाप समाया हुआ है और बाप के दिल में सभी बच्चे समाये हुए हैं; जो याद में हैं वह समाया हुआ है। अपने को देखते हो ना बाप के दिल में समाये हुए?

- यह दृश्य भी इस संगमयुग का विचित्र दृश्य है जो अभी बापदादा देख रहे हैं। भले कुर्सी पर हॉल में बैठे हो लेकिन बापदादा क्या अनुभव कर रहे हैं? सभी दिल में समाये हुए दिल के दीपक हैं।

- जैसे आपकी दिल में बाबा समाया हुआ है ऐसे सभी के दिल में बाप आ जाए।

- मैजारटी इस धुन में लगे हुए हैं हमारा युग जल्दी से जल्दी आ जाये। आ रहा

है... आप सबके पुरूषार्थ को बापदादा देख खुश है, लेकिन सदा नहीं है। थोड़ा सा सदा का हो जाए तो इन आंखों से देखेंगे।

- बाप आया ही है राज्य देने के लिए... और सबको कितनी खुशी है! अब अपना राज्य होगा... हमारा राज्य! नशा कितना है! और राज्य की खुशी कितनी है! हमारा राज्य आया कि आया।

- आपके लिए ही तो यह युग है। आप ही युग बदलने का पुरूषार्थ कर रहे हैं और सफलता भी है। सबके दिल में यही उमंग है - हमारा युग आया कि आया। वह अपना युग है, अपना युग ला रहे हैं; और होना ही है, यह भी गैरन्टी है। बापदादा भी होवनहार बच्चों को देख खुश होते हैं; क्या गीत गाते - वाह बच्चे वाह! हर एक की सूरत में अपना भविष्य स्पष्ट है, साथ और समय भी है, अब हम अपने वतन में चलेंगे; सबके दिल में अपना वतन आ रहा है ना! बस सामने खड़ा है, हमारा युग आ रहा है, खुशी हो रही है ना?

- सभी खुश तो है ही और अभी खुश नहीं होंगे तो कब खुश होंगे? यही समय है बाप और बच्चों के मिलन का - पहचान से।

- अभी तो दु:खी होना या रोना उसकी जरूरत ही नहीं है, खुशी के दिन आ गये, हमारा राज्य आ गया, दूसरे के राज्य में बहुत टाइम रहे अभी हमारा राज्य.., खुशी है ना?

- सभी सोच रहे हैं हम भी मिलें.. लेकिन बाबा के हृदय में सब समाये हुए हो। एक-एक- एक बाबा के दिल में समाया हुआ है।

- बापदादा क्या कर रहा है! वरदानों से ही चला रहा है क्योंकि यहाँ रह नहीं सकता इसलिए वरदानों से चला रहा है।

- सभी के चेहरे दिखाई दे रहे हैं कि सेवा में मजे में हैं। थोड़ा समय सेवा के लिए मिला है, ज्यादा समय नहीं है।

- बस खुश रहना, यह है दवाई। यह दवाई बीमारी को आने नहीं देगी।

02-03.11.2015

- यह बाप और बच्चों का रूहानी मिलन कितना प्यारा है! यह मिलन अमर बनाने वाला मिलन है । हरएक बच्चा अमर भव के वरदानी है ।

- सारे कल्प के अन्दर अगर महान समय है तो अब है इसीलिए गायन है संगमयुग ही महान युग है ।

- बच्चे कहते हैं बाप महान है, बाप क्या कहते हैं? चाहे कैसा भी बच्चा है लेकिन बाप का अति प्यारा है; भले नम्बरवार है लेकिन बाप को हर बच्चा प्यारा है ।

- चाहे नम्बरवार हैं लेकिन सब प्यारे हैं वाह-वाह हैं । बाप के प्यारे हैं .. और कितने साधारण बैठे है! सबके दिल का हाल शक्ल से दिखाई दे रहा है । सबके दिल में कौन? क्या कहेंगे? मेरा बाबा । बाप का प्यार लास्ट बच्चे से भी ज्यादा है क्योंकि हर एक बच्चा दिल का दुलारा है ।

- हर बच्चे का बाप से प्यार है तभी चल रहे हैं । चाहे कोई भी हो बाप का प्यार चला रहा है। अगर बाप से कनेक्शन नहीं हो तो शक्ति कहाँ से लेंगे? बाप से ही तो शक्ति लेके चल रहे हैं! बाप को याद ही नहीं करेंगे तो शक्ति कहाँ से मिलेगी ?

- बाप हर एक बच्चे के सदा साथ है। बाप एक होते भी सबसे निभा सकता है। एक-एक के साथ बाप है और साथ रहेंगे। बाप हर एक के साथ है ना?

- सभी अच्छे पुरूषार्थ में आगे बढ़ रहे हैं यह देख बापदादा खुश है। कुछ भी हो लेकिन अपना पुरूषार्थ अपने साथ है और सारा परिवार भी साथ है, अकेले नहीं हो। साथी हैं और साथ रहेंगे।

- बाप को प्रत्यक्ष करना अर्थात् सब कुछ करते सब सम्बन्ध एक बाप से रखना है।

- कहाँ भी प्रोग्राम कहाँ भी प्रोग्राम है लेकिन हमारा है । एक ही परिवार है, एक ही सबका बाप है, एक हैं; चाहे अनेक दिखाई देते हैं लेकिन सभी एक हैं । यही विशेषता यहाँ की है, टुकड़ा-टुकड़ा नहीं है ।

- जो भी तबियत में थोड़ा-बहुत होता है तो समय कलियुग का है, इसमें यह सब तो आता ही है; लेकिन सब कुछ होते हुए बाप की याद में (से) सूली से कांटा बनाना है । आवे कितना भी सूली के रूप में लेकिन बाप की याद से कांटा बन जाये ।

03-31.12.2015

- हर एक की दिल से यही बोल निकल रहे हैं - वाह बाबा वाह! आपने यह मिलन का जो साकार में सम्मुख् सामने मिलन का मौका दिया। हर एक बच्चे के दिल से यही गीत सुनाई दे रहे हैं - वाह बाबा! वाह आपका दुलार! वाह आपके नयनों का मिलन! यह मिलन सदा दिल में छप गया है। जब चाहे

तब इस सीन को इमर्ज करें तो कितने सुख की फीलिंग आती है; दिल से गीत निकलता है - वाह बाबा आपकी रूहानी नज़र!

- हर एक की दिल कह रही है - वाह बाबा वाह! हमने तो सोचा नहीं कि ऐसे बाबा का मिलन हो सकता है! यह मिलन तो बहुत-बहुत-बहुत प्यारा है। यह मिलन तो स्वप्न में भी न था कि ऐसे मिलन हो सकता है!

- ऐसे मिलन मनाओ जो बाद में इस मिलन का स्वरूप समाया हुआ दिल में वह बार-बार दिखाई दे; अनुभव हो कि अभी भी मिलन मना रहे हैं।

- साधारण बात नहीं है - यह मिलन के भाग्य को लेना। यह हर एक को मिलता है। मिले हुए भाग्य को अनुभव में लाना; यह अनुभव भले इतने सारे हैं लेकिन रीयल में अनुभव करना - यह भाग्य की बात है।

- बाप कितना भोला भण्डारी है - याद किया और प्राप्ति हुई। ऐसे है?
- ब्राह्मण परिवार की जो भी मातायें और भाई हैं, सब बड़े काम के हैं।

04-18.01.2016

- इस पढ़ाई में शक्ति कितनी भरी हुई है! हैं कितने साधारण लेकिन पढ़ाई द्वारा क्या बन रहे हैं? मनुष्य से देवता बन रहे हैं। हर एक ऐसे रूचि् से पढ़ रहे हैं लेकिन अगर दूसरी बात बीच्में आ गई तो मुख्य बात जो चल रही है वह तो मिस हो जायेगी ना?

- आये सब स्टूडेंट रूप में पढ़ने के लिए हैं और देखा गया है कि जब सभी स्टडी करने के रूप में आते हैं तो इनकी शक्ल से ही लगता है यह कोई बहुत

पढ़ाई में बिजी है; और इन्हों को पढ़ाने वाला कौन है.. वह अगर ध्यान में रहे तब
तो बेड़ा पार हो गया!

- बहुत थोड़े हैं जो कोई न कोई सरकमस्टांश अनुसार आये पढ़ने के लिए हैं लेकिन कहाँ पढ़ाई के बजाए और कोई सबजेक्ट में अटेंशन चला जाता है। सबको विशेष जो होमवर्क दिया गया है कई तो अभी भी उसकी तरफ अटेंशन दे रहे हैं.. ।

- पढ़ाई में शौक बढ़ाना है। स्टूडेंट और पढ़ाई में रूचि् न हो तो यह नहीं शोभता।

- हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि फेल कभी नहीं होना है। फेल होना माना फील करने वाले।

- लक्ष्य यह रखो कि एक भी (मुरली) क्लास मिस नहीं हो। हमेशा जब भी पढ़ाई पढ़ते हैं ना! उसमें यह भी लक्ष्य हो कि - मुझे पास होके ही दिखाना है।

- हमेशा यह ध्यान रखो किसी भी बात में पास माना पास। फेल का नम्बर आवे, यह अच्छा नहीं। जरूर कोई ऐसी आदत होगी जिसमें बिजी रहते होंगे।

05-12.02.2016

- भक्ति में ऐसे नहीं सोचा था ऐसे प्रभु मिलन हम बच्चों के भाग्य में है, लेकिन ड्रामा कहें या तकदीर कहें. ... ऐसे मिलन का मौका मिला हुआ है ड्रामा में।

- बाबा इम्तहान लेंगे ..। अभी अचानक इम्तहान लेंगे कि सारे दिन में कितना टाइम याद रहता है? क्योंकि (बाप) बहुत प्यारा है, यह तो सभी कहते हैं यह कर दें, यह कर दें, वह तो ठीक है; दिल में प्यार तो सभी का है लेकिन कितना समय निकालके याद में बैठते हैं? कैसे बैठते हैं? वह तो हर एक की हिस्ट्रारी खुद जानें या बाप जाने।

- सबसे अच्छी याद तो दिल की है। दिल में बाबा-बाबा ही याद हो चलते-फिरते कुछ भी करते।

- यह तो अल्पकाल के साधन है लेकिन सदा आपके साथ हो - वह है दिल। दिल में बाबा को याद करो और इमर्ज रहे - यह प्रेक्टिस जरूरी है।

- अच्छा है साइंस वाले भी अपना उल्हना उतार रहे हैं, जो दे सकते हैं देते हैं। लेकिन सबसे सहज याद करने का तरीका जो है - वह याद बिना साधन के दिल में आ जाए, निकालना चाहे तो भी नहीं निकले।

- सम्मुख मिलन तो हुआ, अभी इसी मिलन को बढ़ाते जाना, जहाँ तक हो सके वहाँ तक बढ़ाना। यह पुरूषार्थ करते आगे बढ़ते चलो।

- (तबियत ठीक नहीं है) घबराना नहीं, घबराने से और ही हो जाता है। जिसके लिए सोचते हैं वह ज्यादा हो जाता है, इसलिए यही सोच जैसे दवाई हो गई है। बाबा को याद किया, बीमारी की गोली एक बारी ले ली बस। भले जो दवाई है ना! उसको जिस समय लो उस समय समझो यह दवाई हमारे काम में आई। भले धीरे-धीरे आयेगी लेकिन आपको फर्क महसूस होगा, बस..। और सभी को पता है कि इनकी तबियत खराब है तो सभी का ध्यान आपमें जायेगा।

- जरूरत नहीं है टोली नहीं खाओ, समझो मेरी तबियत खराब है.. भोग तो सबके पास बीमारी में भी पहुंच जाता है, लेकिन ऐसा बेफिक्र नहीं बनना..। अच्छा है सम्भाल करो लेकिन ज्यादा नहीं बीच का, जैसे होना चाहिए वैसे।

- साधन चाहिए लेकिन साधन के वशीभूत होके नहीं। यहाँ साधन के बिना तो चल ही नहीं सकते। अगर ज्ञान की रीति से देखें तो टूमच में नहीं जाना है। साधन यू॰ज जरूर करना चाहिए लेकिन हद..।

06-07.03.2016

- अलौकिक सुख, अलौकिक शांति और जन्म भी श्रेष्ठ, परिवार भी बहुत भाग्यवान... तो ऐसा जन्म इस संगमयुग के एक जन्म का है।

- भाग्य संगम का जिसने प्राप्त किया वह महान योगी कहलाता है। यह महान योगी जीवन कितनी महान है - इस संगमयुग् की प्राप्ति से! सबसे श्रेष्ठ सतयुग के जन्मों को भगवान द्वारा आप जानते हो। खुद भगवान संगमयुग पर आपको मिलता है। सारे कल्प में अगर सबसे भाग्यवान युग कहलाये तो संगमयुग ही है। ऐसे युग में आपने भगवान के दिव्य जन्म को पाया है।

- संगम पर ही भगवान अपने ओरीज्नल बच्चों को प्राप्त होता है। बाप का प्यार प्रत्यक्ष जन्म में संगम पर ही प्राप्त होता है।

- संगमयुग में ही भगवान खुद आके सारा ज्ञान दे रहे हैं, जैसे अभी दे रहा है। इस देन को कम नहीं समझना। डायरेक्ट भगवान संगमयुग पर साधारण रूप में प्रवेश हो दे रहा है, यह भाग्य कम नहीं। यह संगम का एक जन्म महान है। सभी युगों का ज्ञान, सब युगों से श्रेष्ठे कमाई, सारे कल्प का ज्ञान सब

संगम पर प्राप्त होता है।

- बाप हर कल्प में यह संगमयुग की प्राप्ति कराते, खास प्राप्ति क्या है? ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारी (जीवन)..। यह जन्म बहुत श्रेष्ठ है इसमें आप सारे कल्प का ज्ञान प्राप्त करते हो। यह भाग्य संगम पर ही प्राप्त होता है परमात्मा द्वारा। तो बोलो आप सभी संगमयुग के भाग्य को जान आगे बढ़ रहे हो ना?

- वृद्धि पाना माना अपने ब्राह्मणों की संख्या को बढ़ाना। बाबा को अच्छा लगता है कि जितनी वृद्धि होगी उतना ही जल्दी सतयुग भी आयेगा। कोई नई इन्वेन्शन ऐसी निकालो जो नम्बरवन जैसे गुजरात है उससे भी नम्बर आगे आ जाओ; इसमें तो कोई किसको रोक नहीं सकता.. लेकिन वृद्धि चाहिए जरूर। क्योंकि सारी दुनिया के हिसाब से अभी हमारे हिसाब में कोई इतना ज्यादा नहीं है।

07-31.03.2016

- हर एक के दिल में विशेष यही है - मेरा बाबा, वाह बाबा वाह! आपने हर बच्चे को अपने दिल का कोना दे ही दिया है। सभी की दिल का एक ही आवाज है -दिल का राजा आ गया। हर एक की दिल देखो - अगर एक-एक उस रूप से जो दिल में है दिखाई देवे तो बहुत आपको आश्चर्य लगेगा! कोई किस रूप में, कोई किस रूप में, भिन्न-भिन्न पो.ज में मिलन मना रहे हैं - वह देखने योग्य है। वहाँ ही एक बच्चे के रूप में है तो दूसरा माँ-बाप के रूप में है, सखा रूप में है, भिन्न-भिन्न रूप में है और हर एक अपने रूप के नशे में बहुत लगे हुए हैं। कोई मेरा बाबा कह रहा, तो कोइे मेरा दिल का हार। भिन्न-भिन्न रूप से... जो भिन्न्-भिन्न सम्बन्ध प्यार के होते हैं ना! वह हर एक के दिल के फेस में प्रत्यक्ष दिखाई दे रहे हैं।

- बाप और बच्चे का मिलन बहुत प्यारा लगता है। भले लास्ट में बैठे हैं यहाँ हिसाब से, लेकिन हैं सब दिल में। दिलाराम और बच्चों की दिल - यह मिलन कितना प्यारा है! तो हर एक अभी कहाँ बैठे हो? कुर्सी पर (या बापदादा के दिल में) ? हर एक अपने प्यार के नम्बर अनुसार उसी जगह पर बैठे हैं।

- हर एक के दिल का चित्र इस समय क्या है? वह चित्र दिल का हर एक का अभी बाहर के रूप में दिखाई दे रहा है। ऐसी सभा बाप देख सकता है, सेकण्ड में बाप के आगे जो जिसकी स्थिति है उसी अनुसार रूप दिखाई देगा और सभा बहुत सुन्दर लग रही है। कोई गोरा है, कोई काला है.. क्या भी है, लेकिन बाबा को लगन वाला वह चित्र ही न॰जर आ रहा है।

- बापदादा जब भी आते हैं तो आपका वही ओरीज्नल रूप देखते हैं। बात तो फिर भी दिल में ही कर सकते हैं। दिल की बातें दिल में कर लेते हैं। बाप और बच्चों का यह मिलन दिल को राहत देने वाला है।

- भले कोई लास्ट में बैठा है लेकिन दिल में याद जितनी जिसकी पक्की है वह ऐसे ही महसूस कर रहा है बाबा का साथी बनके बैठा हूँ; तो साथीपन और साक्षीपन दोनों ही रूप दिखाई दे रहे हैं। हर एक के दिल का अनुभव अपना-अपना है।

- जब भी बाबा मिलते हैं बच्चों से तो बहुत प्यारे लगते हैं। थोड़ी गर्मी, पसीना.. थोड़ा देना पड़ता है लेकिन बाबा के आगे वह क्या ची॰ज! भक्ति में के कुछ करते हैं, यह तो ज्ञान है।

- इतने सब आप बैठे हो हर एक की चाहना अपनी-अपनी होगी। लेकिन प्यार का मिलन चाहे 10 मिनट है, वह 10 मिनट नहीं लगता, एक हिसाब से थोड़ा भी लगता, एक हिसाब से बहुत लगता.. लेकिन वह एक मिनट का मिलना

भी बहुत प्यारा लगता है।

- कलियुग् में सब साधन मिलें यह असम्भव हैं। हाँ हम सम्पन्न हो जायेंगे और समाप्ति भी हो जायेगी।

- समय अभी नजदीक आ रहा है समाप्ति का।

ओम शान्ति